Total Pages : 3 Roll No. .....

PJ-101

खगोलिय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरंभिकगणित

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र (डी.पी.जे./सी.पी.जे.-12/16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. भचक्र में द्वादश राशियों तथा सत्ताईस नक्षत्रों का विभाजन कैसे किया गया है? वर्णन कीजिए।

2. द्वादश भाव स्पष्ट साधन विधि का प्रतिपादन करें।

3. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा विंशोत्तरी दशा साधन करें।

4. षडवर्गों का नामोल्लेख करते हुए वर्गों के साधन विधियों का वर्णन करें।

5. सोदाहरण के माध्यम से नवमांश, सप्तमांश एवं षोडशांश के साधन प्रकार को लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. चरकरणों का नाम उल्लेख करते हुए तिथि के अनुसार स्थिर करणों की स्थिति स्पष्ट करें।

2. कालगणना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. इष्ठकाल साधन प्रकार लिखें।

4. भयात एवं भभोग साधन विधि लिखें।

5. चालन साधन प्रकार का वर्णन करें।

6. चतुर्थांश एवं द्रेष्काण का वर्णन करें।

7. योगिनी दशा साधन विधि लिखें।

8. स्वोदयमान का साधन प्रकार का वर्णन करें।